चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : प्रथम

कोर्स-कोड : HIN-CORE-1

कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण

कोर्स-लेवल : 100-199

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**सम्प्रेषण** – अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व;भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	15	25 (22+3)
2	1	**मौखिक सम्प्रेषण** – अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्र-मंडली के साथ वार्तालाप; अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात-परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों से विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करें– जैसे	15	25 (21+4)

		मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग		
3	1	**लिखित सम्प्रेषण** – अनौपचारिक/ पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, संपादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	15	25 (22+3)
4	1	**(क) पठन-श्रवण** (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) – **मातृभूमि** (मैथिलीशरण गुप्त), **पुष्प की अभिलाषा** (माखनलाल चतुर्वेदी), **झाँसी की रानी** (सुभद्रा कुमारी चौहान), **जनतंत्र का जन्म** (रामधारी सिंह दिनकर), **दो बैलों की कथा** (कहानी), **अशोक के फूल** (निबन्ध) **(ख)** मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई 4 (क) से 10 अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा की व्यवस्था होगी। शेष 10 अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।*

निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *राष्ट्रवाणी* – प्रो॰ वासुदेव सिंह (सम्पा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
2. *कृति कथाएँ* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (सम्पा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. *अशोक के फूल* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
5. *मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना* – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
6. *सम्प्रेषण कला* – अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
7. *हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार* – अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. *सम्प्रेषण कला* – डॉ॰ बलबीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. *सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता* – डॉ॰ मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।